हिन्दी पाक्षिक

# महानगर स्तंभ

RNI NO. RAJHIN/2017/70561

पृष्ठ संख्या.... 2

❐ वर्ष-8 ❐ अंक-10 जयपुर, बुधवार 15 मई, 2024 ❐ एक प्रति 5 रुपये ❐ कुल पृष्ठ-4

# 23 देशों के 75 प्रतिनिधियों ने 6 राज्यों में मतदान प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखा

**नई दिल्ली।** आम चुनाव 2024 में प्रत्यक्ष रूप से मतदान प्रक्रिया को देखकर अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने प्रसन्नता व्यक्त की। जहां कुछ प्रतिनिधियों ने पारदर्शिता की सराहना की, वहीं अन्य प्रतिनिधियों ने निर्वाचन आयोग की हरित मतदान केंद्र जैसी पहलों को प्रेरणादायक करार दिया। इन प्रतिनिधियों ने चुनावों में ईवीएम-वीवीपैट के रैंडमाइजेशन सहित दूसरी चुनावी प्रक्रियाओं में बड़े पैमाने पर प्रौद्योगिकी के उपयोग की भी सराहना की। प्रतिनिधियों ने यह भी कहा कि वे विशेष रूप से लोकतांत्रिक आदर्शों को मजबूत करने के प्रति भारतीय मतदाताओं की प्रतिबद्धता और उनके अटूट विश्वास से प्रभावित हुए हैं। कुल मिलाकर, इस दौरे पर आए इन देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों के सदस्यों के बीच इस बात पर सर्वसम्मति थी कि भारत में चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण, समावेशी तथा सुलभ रही और यहां चुनाव उत्सव के मूड में होता है। ये प्रतिक्रियाएं अंतर्राष्ट्रीय चुनाव आगंतुक कार्यक्रम (आईईवीपी) के भाग के रूप में भारत आए अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के अब तक के सबसे बड़े दल के हाल ही में संपन्न हुए आम चुनाव के तीसरे चरण को प्रत्यक्ष रूप से देखने के बाद आई। तीसरे चरण में 11 राज्यों/केंद्र-शासित प्रदेशों के 93 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान हुआ। इन प्रतिनिधियों ने 6 राज्यों/केंद्र-शासित प्रदेशों में तैयारी कार्य सहित मतदान का अवलोकन किया। उन्होंने देखा कि कैसे बड़ी संख्या में इंसानों और मशीनरी की इतने बड़े स्तर पर आवाजाही कराई जाती है।

**कर्नाटक-** कंबोडिया, ट्यूनीशिया, मोल्दोवा, सेशेल्स और नेपाल के प्रतिनिधियों ने कर्नाटक में बेलगाम संसदीय क्षेत्र का दौरा किया और मतदान केंद्र के अंदर अधिकारियों व पीठासीन अधिकारियों से बातचीत की, मॉक पोल का अवलोकन किया, कमांड कंट्रोल सेंटर और मीडिया निगरानी केन्द्रों का दौरा किया। इन प्रतिनिधियों ने मॉक पोल, मतदान केंद्र के अंदर उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति तथा भागीदारी द्वारा दर्शायी गई पारदर्शिता की सराहना की।

**गोवा-** भूटान तथा मंगोलिया के प्रतिनिधियों और इजराइल की एक मीडिया टीम ने गोवा में दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान और संबंधित व्यवस्थाएं देखी। वे

भी मॉक पोल में शामिल हुए और उन्हें कमांड कंट्रोल सेंटर, मीडिया निगरानी केंद्रों, प्रेषण केंद्र आदि से अवगत कराया गया। भूटान के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और भूटान तथा मंगोलिया के चुनाव अधिकारियों ने चुनाव के संचालन में मतदान केंद्र के अंदर राजनीतिक दलों, मीडिया, उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों को शामिल करने में पारदर्शिता की सराहना की। विदेश से आए इन प्रतिनिधियों ने दिव्यांग के लिए तैयार किए गए मतदान केंद्रों और पिंक मतदान को देखकर प्रशंसा और आश्चर्य व्यक्त किया। प्रतिनिधियों ने ईवीएम-वीवीपैट के वितरण में सॉफ्टवेयर के उपयोग की सराहना की।

**मध्य प्रदेश-** मध्य प्रदेश गए 11 सदस्यीय अंतर्राष्ट्रीय टीम में श्रीलंका और फिलीपींस के प्रतिनिधि शामिल रहे। इन प्रतिनिधियों ने भोपाल, विदिशा, सीहोर और रायसेन निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान केंद्रों का दौरा किया और लोक सभा चुनाव की चुनावी प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखा। इन्होंने मतदाताओं से बातचीत कर उनमें उत्साह और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भारतीय नागरिकों की भागीदारी की सक्रियता देखी। इस दौरान मिले अपने अनुभवों को साझा करते हुए इन प्रतिनिधियों ने भारत में देखे गए जीवंत लोकतंत्र की खुलकर प्रशंसा की। वे विशेष रूप से अटूट विश्वास और लोकतांत्रिक आदर्शों को मजबूत करने के प्रति भारतीय मतदाताओं की प्रतिबद्धता से प्रभावित थे।

**उत्तर प्रदेश-** चिली, जॉर्जिया, मालदीव, नामीबिया, पापुआ न्यू गिनी और उज्बेकिस्तान से आए प्रतिनिधियों ने उत्तर प्रदेश में 7 मई, 2024 को फ्तेहपुर सीकरी और आगरा संसदीय क्षेत्र में मतदान को

देखा। विदेशों से आए गणमान्य व्यक्तियों को इन दोनों संसदीय क्षेत्र में पड़ने वाले ताज महल और फ्तेहपुर सीकरी के अद्भुत वास्तुशिल्प को दिखाया गया। उन्हें मतदान दिवस और मतदान दिवस से एक दिन पहले चुनाव संबंधी विभिन्न व्यवस्थाओं/गतिविधियों से अवगत कराया गया। दौरे पर आए इन देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों के सदस्यों के बीच इस बात पर सर्वसम्मति थी कि भारत में चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण, समावेशी और सुलभ थी।

**गुजरात-** फिजी, ऑस्ट्रेलिया, रूस, मेडागास्कर, किर्गिज गणराज्य के प्रतिनिधियों ने अहमदाबाद में लोकसभा आम चुनाव, 2024 के लिए मतदान से पूर्व की व्यवस्था और मतदान प्रक्रिया देखी। प्रतिनिधिमंडल डबल लॉक सिस्टम वाले स्ट्रांग रूम और ईवीएम की प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले सशस्त्र पुलिस कर्मियों की तैनाती से प्रभावित हुआ। अहमदाबाद पूर्वी संसदीय क्षेत्र के साणंद विधानसभा क्षेत्र में महिला प्रबंधित मतदान केंद्रों की भी सराहना की गई। उन्होंने कहा कि इससे महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ता है और उनकी भागीदारी बढ़ती है। बुजुर्ग मतदाताओं की मदद के लिए स्वयंसेवकों के साथ-साथ सभी स्थानों पर रैंप और व्हीलचेयर की सुविधा की भी काफी सराहना की गई। दृष्टिबाधित दिव्यांग मतदाताओं के लिए ब्रेल बैलेट पेपर की अवधारणा को भी दृष्टिबाधित लोगों की मदद के लिए एक अच्छी पहल के रूप में पसंद किया गया।

**महाराष्ट्र-** बांग्लादेश, श्रीलंका, कजाकिस्तान और जिम्बाब्वे के चुनाव प्रबंधन निकायों के प्रतिनिधियों ने महाराष्ट्र में रायगढ़ संसदीय क्षेत्र का दौरा किया और चुनाव पूर्व व्यवस्था, मतदान दलों के फैलाव और अन्य लाजिस्टिक्स को नजदीक से देखा। इन प्रतिनिधियों ने भारतीय चुनावों के विभिन्न पहलुओं के बारे में जिला चुनाव अधिकारी, रिटर्निंग अधिकारी, पीठासीन अधिकारियों और चुनाव संबंधित अन्य अधिकारियों के साथ बातचीत की। ये प्रतिनिधि मतदान केंद्रों पर पारदर्शिता उपायों से प्रभावित हुए।

**पृष्ठभूमि-** दुनिया भर के 23 देशों ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, भूटान, कंबोडिया, चिली, फिजी, जॉर्जिया, कजाकिस्तान, किर्गिज गणराज्य, मेडागास्कर, मालदीव, मंगोलिया, मोल्दोवा, नामीबिया, नेपाल, न्यू गिनी, फ्लिीपींस, रूस, सेशेल्स, श्रीलंका, ट्यूनीशिया, उज्बेकिस्तान, और जिम्बाब्वे के प्रतिनिधि लोक सभा चुनाव 2024 के तीसरे चरण के मतदान का गवाह बनने के लिए 5 मई 2024 को नई दिल्ली पहुंचे। उनका उद्घाटन सत्र में भारत के निर्वाचन आयोग के साथ संवाद हुआ जिसकी अध्यक्षता मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने की। इसमें चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और डॉ. सुखबीर सिंह संधू भी उपस्थित थे। इसके बाद इन प्रतिनिधियों को विभिन्न राज्यों जैसे कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, गोवा और मध्य प्रदेश का दौरा करने के लिए 6 छोटे समूहों में विभाजित किया गया। इस उद्देश्य के लिए इन प्रतिनिधियों ने 13 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान केंद्रों का दौरा किया। इन राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों ने मतदान तैयारियों, लॉजिस्टिक्स और वेबकास्टिंग व्यवस्था को देखने के साथ-साथ मतदान से पूर्व मतदान अधिकारियों और पीठासीन अधिकारियों के साथ जुड़ने एवं मॉक पोल में शामिल होने, चुनाव के दिन 7 मई को वास्तविक मतदान देखने और मतदाताओं के साथ बातचीत करने के लिए इन प्रतिनिधियों की यात्रा का आयोजन किया।

## रामचरित मानस, पंचतंत्र यूनेस्को की मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड एशिया-पैसिफिक रीजनल रजिस्टर में शामिल

**नई दिल्ली।** राम चरित मानस, पंचतंत्र और सहृदयलोक-लोकन को यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड एशिया-पैसिफिक रीजनल रजिस्टर में शामिल किया गया है। यह समावेशन भारत के लिए एक गौरव का क्षण है, जिससे देश की समृद्ध साहित्यिक विरासत और सांस्कृतिक विरासत की पुष्टि होती है। यह वैश्विक सांस्कृतिक संरक्षण की दिशा में हो रहे प्रयासों में एक कदम आगे बढ़ने का प्रतीक है, जो हमारी साझा मानवता को आकार देने वाली विविध कथाओं और कलात्मक अभिव्यक्तियों को पहचानने और सुरक्षित रखने के महत्व पर प्रकाश डालता है। इन साहित्यिक उत्कृष्ट कृतियों का सम्मान करके, समाज न केवल उनके रचनाकारों की रचनात्मक प्रतिभा को श्रद्धांजलि देता है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करता है कि उनका गहन ज्ञान और कालातीत शिक्षाएं भावी पीढ़ियों को प्रेरित करती रहें और उनकी

जानकारियां बढ़ाती रहें। रामचरितमानस, पंचतंत्र और सहृदयालोक-लोकन ऐसी कालजयी रचनाएं हैं जिन्होंने भारतीय साहित्य और संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया है, देश के नैतिक ताने-बाने और कलात्मक अभिव्यक्तियों को आकार दिया है। इन साहित्यिक कृतियों ने समय और स्थान से परे जाकर भारत के भीतर और बाहर दोनों जगह पाठकों और कलाकारों पर एक अमिट छाप छोड़ी है। उल्लेखनीय है कि सहृदयालोक-लोकन, पंचतंत्र और रामचरितमानस की रचना क्रमशः पं. आचार्य आनंदवर्धन, विष्णु शर्मा और गोस्वामी तुलसीदास ने की थी।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) ने मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड कमेटी फॉर एशिया एंड द पैसिफिक (एमओडब्ल्यूसीएपी) की 10वीं बैठक के दौरान एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उलानबटार में हुई इस सभा में, सदस्य देशों के 38 प्रतिनिधि, 40 पर्यवेक्षकों और नामांकित व्यक्तियों के साथ एकत्र हुए। तीन भारतीय नामांकनों की वकालत करते हुए, आईजीएनसीए ने यूनेस्को की मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड एशिया-पैसिफिक रीजनल रजिस्टर में उनका स्थान सुनिश्चित किया। आईजीएनसीए में कला निधि प्रभाग के डीन (प्रशासन) और विभाग प्रमुख प्रोफेसर रमेश चंद्र गौड़ ने भारत से इन तीन प्रविष्टियों- राम चरित मानस, पंचतंत्र और सहृदयालोक-लोकन को सफलतापूर्वक प्रस्तुत किया। प्रो. गौर ने उलानबटार सम्मेलन में नामांकनों का प्रभावी ढंग से समर्थन किया। यह उपलब्धि भारत की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए आईजीएनसीए के समर्पण को प्रदर्शित करती है, साथ ही, वैश्विक सांस्कृतिक संरक्षण और भारत की साहित्यिक विरासत की उन्नति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। ऐसा पहली बार हुआ है जब आईजीएनसीए ने 2008 में अपनी स्थापना के बाद से क्षेत्रीय रजिस्टर में नामांकन जमा किया है। गहन विचार-विमर्श से गुजरने और रजिस्टर उपसमिति (आरएससी) से सिफारिशें प्राप्त करने और बाद में सदस्य देशों के प्रतिनिधियों द्वारा मतदान के बाद, सभी तीन नामांकनों को शामिल किया गया, जिससे 2008 में रजिस्टर की स्थापना से पहले की महत्वपूर्ण भारतीय प्रविष्टियों को चिह्नित किया गया।

# संपादकीय

## आखिर कब तक मजबूर रहेगा मजदूर

श्रमिक अपना श्रम बेचकर न्यूनतम वेतन प्राप्त करता है। यही कारण है कि पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया जाता है। इसलिए यह दिन अंतरराष्ट्रीय श्रमिक संघों को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए है। इस प्रकार, यह समाज में उनके योगदान की सराहना करने और उसे पहचानने का एक विशेष दिन हैं। भारत सहित दुनिया के बहुत से देशों में एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है। जिसका मुख्य उद्देश्य उस दिन मजदूरों की भलाई के लिए काम करने व मजदूरों में उनके अधिकारों के प्रति जागृति लाना होता है। मगर आज तक तो कहीं ऐसा हो नहीं पाया है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति करने का प्रमुख भार मजदूर वर्ग के कंधों पर ही होता है। मजदूर वर्ग की कड़ी मेहनत के बल पर ही राष्ट्र तरक्की करता है। लेकिन भारत का श्रमिक वर्ग श्रम कल्याण सुविधाओं के लिए आज भी तरस रहा है। हमारे देश में मजदूरों का शोषण आज भी जारी है। समय बीतने के साथ मजदूर दिवस को लेकर श्रमिक तबके में अब कोई खास उत्साह नहीं रह गया है। बढ़ती महंगाई और पारिवारिक जिम्मेदारियों ने भी मजदूरों के उत्साह का कम कर दिया है। अब मजदूर दिवस इनके लिए सिर्फ कागजी रस्म बनकर रह गया है।मजदूर दिवस दुनिया के सभी कामगारों, श्रमिकों को समर्पित होता है। इस बार की अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस 2024 की थीम था सामाजिक न्याय और सभी के लिए सभ्य कार्य। इसके अलावा भी कई बिंदुओं को रखा गया है। इस थीम का उद्देश है मजदूरों की गरिमा का ख्याल रखना और उन्हें शांतिपूर्ण कामकाजी वातावरण प्रदान करना। महात्मा गांधी ने कहा था कि किसी देश की तरक्की उस देश के कामगारों और किसानों पर निर्भर करती है। उद्योगपति खुद को मालिक समझने की बजाय अपने-आप को ट्रस्टी समझे। मगर ऐसा होता नहीं है। मालिक आज भी मालिक बने हुये हैं। मजदूर सिर्फ मजबूर होकर रह गया है। इसी कारण भारत में मजदूरों की स्थिति बेहतर नहीं है। हमारे देश की सरकार भी मजदूर हितों के लिए बहुत बातें करती है। बहुत सी योजनाएं व कानून बनाती है। मगर जब उनको अमलीजामा पहनाने का समय आता है तो सब इधर-उधर ताकने लग जाते हैं। मजदूर फिर बेचारा मजबूर बनकर रह जाता है।गुरु नानक देव जी ने भी अपने समय में किसानों, मजदूरों और कामगारों के हक में आवाज उठाई थी। गुरु नानक देव जी ने 'काम करना, नाम जपना, बांट छकना और दसवंध निकालना का संदेश दिया था। गरीब मजदूर और कामगार का विनम्रता का राज स्थापित करने के लिए मनमुख से गुरमुख तक की यात्रा करने का संदेश दिया था।मजदूर एक ऐसा शब्द है जिसके बोलने में ही मजबूरी झलकती है। सबसे अधिक मेहनत करने वाला मजदूर आज भी सबसे अधिक बदहाल स्थिति में है। दुनिया में एक भी ऐसा देश नहीं है जहां मजदूरों की स्थिति में सुधार हो पाया है। दुनिया के सभी देशों की सरकार मजदूरों के हित के लिए बातें तो बहुत बड़ी-बड़ी करती हैं मगर जब उनकी भलाई के लिए कुछ करने का समय आता है तो सभी पीछे हट जाती है। इसीलिए मजदूरों की स्थिति में सुधार नहीं हो पाता है।भारत में एक मई का दिवस सबसे पहले चेन्नई में एक मई 1923 को मद्रास दिवस के तौर पर मनाना शुरू किया गया था। इस की शुरुआत भारती मजदूर किसान पार्टी के नेता कामरेड सिंगारावेलू चेट्यार ने शुरू की थी। भारत में मद्रास के हाईकोर्ट सामने एक बड़ा प्रदर्शन किया और एक संकल्प के पास करके यह सहमति बनाई गई कि इस दिवस को भारत में भी कामगार दिवस के तौर पर मनाया जाये और इस दिन छुट्टी का ऐलान किया जाये। वर्तमान में भारत समेत लगभग 80 मुल्कों में पहली मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है।हमारे देश केमजदूरों को न तो मालिकों द्वारा किए गए कार्य की पूरी मजदूरी दी जाती है और ना ही अन्य वांछित सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाती है। गांव में खेती के प्रति लोगों का रुझान कम हो रहा है। इस कारण बड़ी संख्या में लोग मजदूरी करने के लिए शहरों की तरफ पलायन कर जाते हैं। जहां ना उनके रहने की कोई सही व्यवस्था होती है ही उनको कोई ढ़ग का काम मिल पाता है।

# बीकानेर के मोहम्मद बंधु पद्मश्री से सम्मानित

**जयपुर।** नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में 9 मई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने दरबार हॉल में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह में 2 पद्म विभूषण, 9 पद्म भूषण और 56 पद्म श्री पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह सहित भारत सरकार के अनेक मंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। समारोह में राजस्थान के बीकानेर निवासी मांड लोक गायक बंधुओं की जोड़ी अली मोहम्मद और गनी मोहम्मद को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पद्मश्री सम्मान से सम्मानित किया। मोहम्मद बंधुओं द्वारा इस मांड कला का प्रदर्शन दुनिया भर में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ फिल्म उद्योग में भी काफी सजीवता के

साथ किया है। मांड गायकी में मोहम्मद बंधुओं के लिए पद्मश्री सम्मान इस लोक कला को दुनिया भर में विशेष स्थान दिलाने के साथ-साथ राजस्थान के लिए भी गौरव की बात है। बीकानेर के छोटे से गांव तेजरासर में जन्में मोहम्मद बंधुओं ने मांड गायकी की संगीत कला को राजस्थान से निकालकर फिल्मी संगीत और विदेशी मंचों तक पहुंचाने का बेहतरीन काम किया है। विरासत में मिली संगीत की बुनियादी तालीम हासिल करने वाले मोहम्मद बंधु शास्त्रीय संगीत में भी अपना महत्वपूर्ण दखल रखते हैं। फिल्म संगीतकार और राजस्थानी मांड गायकी के सरताज मोहम्मद बंधु आज किसी परिचय के मोहताज नहीं है। उल्लेखनीय है कि गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर वर्ष 2024 के पद्म पुरस्कारों का ऐलान किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 132 हस्तियों को पद्म पुरस्कार देने की घोषणा की थी। इनमें पांच लोगों को पद्म विभूषण, 17 को पद्म भूषण, और 110 को पद्म श्री पुरस्कार दिया गया। इस वर्ष के लिए पद्म पुरस्कार के लिए चुनी गई हस्तियों में राजस्थान से बहरूपिया कलाकार जानकीलाल, माया टंडन, ध्रुपद गायक लक्ष्मण भट्ट तैलंग सहित पांच लोग शामिल हैं।

# शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) की ऑनलाइन लॉटरी निकाली

**जयपुर।** शासन सचिव, स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल ने कहा कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत प्रत्येक बालक को निःशुल्क शिक्षा का अधिकार दिया गया है। कृणाल ने 13 मई को शिक्षा संकुल में निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009, के अन्तर्गत राज्य के गैर सरकारी विद्यालयों में प्री-प्राइमरी (पीपी-3) एवं कक्षा-1 में 25 प्रतिशत सीटों पर समाज के असुविधाग्रस्त समूह एवं दुर्बल वर्ग को प्रवेश में वरीयता क्रम निर्धारण के लिए ऑनलाइन लॉटरी निकाली। उन्होंने बताया कि लॉटरी द्वारा जारी वरीयता सूची को अभिभावक विद्यालयवार प्राइवेट स्कूल वेबपोर्टल के होम पेज पर ''अभ्यर्थी प्राथमिकता क्रम''

पर क्लिक करके देख सकते हैं। साथ ही अभिभावक अपने आवेदन की आईडी नम्बर व मोबाइल नम्बर से लॉगिन करके अपने बालक-बालिका का वरीयता क्रमांक सभी आवेदित विद्यालयों में एक साथ देख सकते हैं। प्रदेश के इकतीस हजार आठ सौ सत्तावन निजी विद्यालयों में प्रवेश के लिए तीन लाख आठ हजार सात सौ बयासी बालक बालिकाओं के आवेदन प्राप्त हुए हैं। 7 जून से 25 जुलाई तक प्रथम चरण में विद्यालयों में प्रवेश दिए जाएंगे। 26 जुलाई से 16 अगस्त द्वितीय चरण तथा 17 अगस्त से 31 अगस्त तक तृतीय चरण में वरीयता के आधार पर प्रवेश दिए जाएंगे। इस अवसर पर अतिरिक्त परियोजना निदेशक पूनम प्रसाद सागर, सुरेश कुमार बुनकर सहित आरटीई से संबंधित शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिन्ट मीडिया के पत्रकार उपस्थित रहे।

# राज्यपाल ने किया नवनिर्मित संसद भवन का अवलोकन

**जयपुर।** राज्यपाल कलराज मिश्र 7 मई को लोकसभा पहुंचे। वहां उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान दोनों ने संविधान संस्कृति और जीवन मूल्यों से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। बाद में उन्होंने नवीन संसद भवन भी देखा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने राज्यपाल मिश्र को लोकसभा प्रकाशन के अंतर्गत प्रकाशित 'भारत का संविधान' की प्रति भेंट की। मिश्र ने नवनिर्मित संसद भवन का अवलोकन करते हुए कहा कि भारतीय शिल्प-स्थापत्य और संवैधानिक दृष्टि से नवीन संसद भवन अद्वितीय है। उन्होंने नवीन संसद भवन में निर्मित प्राचीन भारतीय इतिहास, कला और संस्कृति से संबद्ध गैलरी, संगीत की भारतीय परम्परा से संबद्ध दीर्घा, ऐतिहासिक, पौराणिक कथानकों के

आलोक में निर्मित संसद भवन की कला वीथी को अद्भुत बताया। उन्होंने देश के सर्वोच्च लोकसभा और राज्यसभा सदनों में सदस्यों के बैठने की व्यवस्था के साथ संविधान से जुड़ी मौलिक दृष्टि संबंधित गैलरी का भी अवलोकन किया।

राज्यपाल ने नवीन संसद भवन निर्माण में हरित तकनीक के उपयोग के अंतर्गत जल संरक्षण संरचनाओं, नवनिर्मित नवीन संसद भवन के संविधान सभागार, संसद की डिजिटल कार्यप्रणाली, संसद भवन की कलात्मक 'शिल्प' और 'स्थापत्य' गैलरी आदि को भी देखा। उन्होंने नवीन संसद भवन की भव्यता, वहां स्थापित ऐतिहासिक और धार्मिक सेंगोल आदि को भारतीय संस्कृति के साथ संविधान से जुड़ी दृष्टि के रूप में विशिष्ट बताया।

# सिंधी भाषा का सिलेबस नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप होगा तैयार

**जयपुर।** विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने 10 मई को नई दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अधीन संचालित राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद की कार्यकारिणी की बैठक में भाग लिया। बैठक के दौरान देवनानी ने कहा कि बच्चों को पढ़ाए जाने वाली सिंधी भाषा के सिलेबस को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप तैयार किया जाएगा।

इसके लिए एक कमेटी का गठन किया गया है जो एक महीने में इस काम को पूर्ण करके रिपोर्ट राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद को सौंप देगी। देवनानी ने बताया कि कार्यकारिणी की बैठक में परिषद द्वारा संचालित सिंधी लैंग्वेज लर्निंग कोर्स स्कीम सिंधी भाषा के उत्थान के लिए चलाई जा रही वॉलंटरी ऑर्गेनाइजेशन स्कीम्स के साथ-साथ सिंधी भाषा से संबंधित पब्लिकेशन स्कीम की समीक्षा की गई तथा उनसे संबंधित सभी मुद्दों पर विचार विमर्श करके नवीन सुझावों को इस रिव्यू मीटिंग के दौरान काउंसिल के सदस्यों के समक्ष रखा गया इसके सार्थक परिणाम जल्द ही देखने को मिलेंगे। देवनानी ने बताया कि राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अधीन संचालित है और केंद्र सरकार भाषाओं के विकास और उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है, इसलिए भाषा विकास परिषदों की भी यह जिम्मेदारी बनती है कि एक लोकप्रिय सरकार की मंशा के अनुरूप भाषा के विकास और उत्थान के लिए काम किया जाए ताकि उस भाषा को जानने समझने और पढ़ने वाले लोगों का भला हो सके।

# रफी अहमद किदवई के निजी दस्तावेज संग्रह का हुआ अधिग्रहण

**नई दिल्ली।** भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार (एनएआई) ने स्वर्गीय रफी अहमद किदवई के निजी दस्तावेज संग्रह का अधिग्रहण कर लिया। इनमें पंडित जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पीडी टंडन जैसे अन्य प्रतिष्ठित नेताओं के साथ किदवई के मूल पत्राचार शामिल हैं। ये कागजात ताजीन किदवई, स्वर्गीय हुसैन कामिल किदवई की बेटी, सबसे छोटे भाई रफी अहमद किदवई और सारा मनाल किदवई की उपस्थिति में कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के अपर सचिव फैज अहमद किदवई (आईएएस) ने भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार (एनएआई) के महानिदेशक को सौंपे गए। भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार भारत सरकार के गैर-मौजूदा अभिलेखों का संरक्षक है और सार्वजनिक रिकॉर्ड अधिनियम 1993 के प्रावधान के अनुसार प्रशासकों और शोधकर्ताओं के उपयोग के लिए उन्हें ट्रस्ट में रखता है। एक प्रमुख अभिलेखीय संस्थान के रूप में, भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार अभिलेखीय चेतना को निर्देशित करने और आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सार्वजनिक अभिलेखों के विशाल संग्रह के अतिरिक्त भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार के पास देश हित में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करने वाले सभी क्षेत्रों के प्रतिष्ठित भारतीयों के निजी पत्रों का एक समृद्ध संग्रह है। रफी अहमद किदवई जीवंतता, प्रतिभा और आकर्षक व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने हमारे देश की स्वतंत्रता के लिए अपने निरंतर प्रयासों और हर प्रकार की सांप्रदायिकता और अंधविश्वासों का खंडन किया। उनका जन्म 18 फरवरी, 1894 को मसौली, उत्तर प्रदेश के एक मध्यम वर्गीय जमींदार परिवार में हुआ। उनकी राजनीतिक यात्रा 1920 में खिलाफत आंदोलन और असहयोग आंदोलन में शामिल होने के साथ शुरू हुई, जिसके बाद उन्हें जेल जाना पड़ा। किदवई ने मोतीलाल नेहरू के निजी सचिव के रूप में कार्य किया और बाद में कांग्रेस विधान सभा और संयुक्त प्रांत कांग्रेस समिति में महत्वपूर्ण पदों पर रहे। उनके राजनीतिक कौशल ने उन्हें पंडित गोविंद बल्लभ पंत के मंत्रिमंडल में मंत्री बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने राजस्व और जेल विभागों का प्रबंधन किया। स्वतंत्रता के बाद, उन्होंने जवाहरलाल नेहरू के मंत्रिमंडल में भारत के

पहले संचार मंत्री के रूप में कार्य किया और अपना टेलीफोन अपनाएं सेवा और रात्रि हवाई मेल जैसी पहल शुरू की। 1952 में, उन्होंने अपने प्रशासनिक कौशल से खाद्य राशनिंग चुनौतियों से सफलतापूर्वक निपटते हुए, खाद्य और कृषि विभाग का कार्यभार संभाला। भारत की स्वाधीनता और देश को सुदृढ़ करने के लिए किदवई का समर्पण उनके पूरे राजनीतिक जीवन में अटूट रूप से विद्यमान रहा। उनके योगदान को 1956 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा रफी अहमद किदवई पुरस्कार के निर्माण के साथ मान्यता दी गई। संचार मंत्री के रूप में किदवई के कार्यकाल ने उन्हें नवाचार और प्रभावशीलता के लिए प्रतिष्ठा दिलाई, जबकि खाद्य मंत्रालय में उनके नेतृत्व को सराहा गया। विपरीत परिस्थितियों ने उसे एक विलक्षण और एक चमत्कारी व्यक्तित्व का उपनाम दिलाया। रफी अहमद किदवई ने वास्तव में देश की स्वाधीनता के संघर्ष और बाद में अपनी प्रशासनिक भूमिकाओं में कार्रवाई और समर्पण को मूर्त रूप दिया। संकटों का तेजी से समाधान करने और नवीन समाधानों को लागू करने की उनकी क्षमता उनके उल्लेखनीय नेतृत्व गुणों को उजागर करती है। संचार से लेकर कृषि तक विभिन्न क्षेत्रों में उनके योगदान ने देश के विकास पर स्थायी प्रभाव छोड़ा। एक प्रतिबद्ध स्वतंत्रता सेनानी और एक कुशल प्रशासक के रूप में उनकी विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

United Nations FORUM ON FORESTS

## वनों पर संयुक्त राष्ट्र फोरम (यूएनएफएफ) के 19वा सत्र आयोजित

**नई दिल्ली।** भारत ने 6 मई से 10 मई तक न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र (यूएन) मुख्यालय में आयोजित वनों पर संयुक्त राष्ट्र फोरम (यूएनएफएफ) के 19वें सत्र में हिस्सा लिया। इस सत्र के दौरान भारत ने वन संरक्षण और टिकाऊ वन प्रबंधन में देश की महत्वपूर्ण प्रगति को रेखांकित किया। भारत ने बताया कि इसके कारण पिछले 15 वर्षों में वन क्षेत्र में लगातार बढ़ोतरी हुई है। वैश्विक स्तर पर भारत साल 2010 और 2020 के बीच औसत वार्षिक वन क्षेत्र में शुद्ध वृद्धि के मामले में तीसरे स्थान पर रहा है। भारत ने जैव विविधता और वन्यजीव संरक्षण को उच्च प्राथमिकता दी है। इसके कारण संरक्षित क्षेत्रों का नेटवर्क 1,000 से अधिक वन्यजीव अभयारण्यों, राष्ट्रीय उद्यानों, बाघ अभयारण्यों, बायोस्फीयर रिजर्व और अन्य वन्यजीव आवासों तक विस्तारित हुआ है। बाघ परियोजना (प्रोजेक्ट टाइगर) के 50 साल और हाथी परियोजना (प्रोजेक्ट एलिफेंट) के 30 साल पूरे होने पर हाल ही में आयोजित समारोह प्रजातियों के संरक्षण व उनके आवास संरक्षण को लेकर भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं। इसके अलावा भारत ने अंतरराष्ट्रीय बिग कैट एलायंस के गठन को भी रेखांकित किया, जो सहयोगात्मक अंतरराष्ट्रीय प्रयासों के माध्यम से पूरे विश्व में सात बड़ी बिल्लियों की प्रजातियों की रक्षा व संरक्षण करने के उद्देश्य से एक और महत्वपूर्ण पहल है। इससे पहले अक्टूबर, 2023 में भारत ने देहरादून में यूएनएफएफ के तहत देश के नेतृत्व वाली पहल की मेजबानी की थी। इसमें 40 देशों और 20 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया और वन अग्नि प्रबंधन व वन प्रमाणन पर चर्चा की। भारत ने इस पहल की सिफारिशों को यूएनएफएफ 19 के दौरान प्रस्तुत किया। यूएनएफएफ 19 का समापन वनों की कटाई और वन क्षरण व भूमि अपरदन को रोकने के लिए तत्काल और त्वरित कार्रवाई करने की घोषणा के साथ हुआ।

# उपराष्ट्रपति ने सपरिवार अयोध्या में रामलला के मंदिर के दर्शन किए

**नई दिल्ली।** उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 10 मई को सपरिवार अयोध्या में श्री राम लला के दर्शन किए। इस अवसर पर अपने संदेश में उपराष्ट्रपति कहा कि यह मंदिर, भक्ति और आध्यात्म की हमारी गौरवशाली परंपरा का जीता जागता प्रतीक है। आज जब हमारा देश एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में दृढ़ता से अग्रसर है, ऐसे में प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद इस भारत भूमि पर बना रहे, यही प्रार्थना है। उन्होंने कहा कि यह अवसर मेरे और मेरे परिवार के लिए, मेरे दिल, मेरे दिमाग और आत्मा को एक साथ एकत्र करता है। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान के भाग 3 में श्री राम, माता सीता और लक्ष्मण का चित्र अंकित है। उन्होंने इस मंदिर निर्माण में लगे कारीगरों तथा श्रमिक कर्मियों के योगदान का अभिनंदन किया। उपराष्ट्रपति की इस

यात्रा की शुरुआत हनुमानगढ़ी के दर्शन से हुई। इसके बाद उपराष्ट्रपति ने कुबेर टीला

में कामेश्वर महादेव मंदिर में पूजा अर्चना की और भक्ति एवं साहस के प्रतीक पक्षीराज जटायु के दर्शन किए। अपनी अयोध्या यात्रा के अंत में उपराष्ट्रपति ने सपरिवार सरयू नदी के दर्शन किए और आरती की। इस अवसर कर उन्होंने कहा कि सरयू नदी अनादि काल से भारतीय सभ्यता तथा सांस्कृतिक चेतना का अभिन्न हिस्सा रही है। इस अवसर पर हरिवंश नारायण सिंह, राज्यसभा उपसभापति, सूर्य प्रताप शाही, मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार, पी. सी. मोदी, राज्यसभा महासचिव, चंपत राय, राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव उपस्थित थे।

# अंतर्राष्ट्रीय थैलेसीमिया दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

नई दिल्ली। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव अपूर्व चंद्रा ने थैलेसीमिया से निपटने के लिए इसकी समय पर पहचान और रोकथाम के महत्व पर बल दिया। अंतर्राष्ट्रीय थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर 8 मई को आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सही समय पर इसकी रोकथाम करके ही इस बीमारी को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि थैलेसीमिया से निपटने के लिए समय पर जांच और रोकथाम सबसे प्रभावी रणनीति है। उन्होंने कहा कि देश में थैलेसीमिया के लगभग एक लाख मरीज हैं और हर वर्ष लगभग 10,000 नए मामले सामने आते हैं। उन्होंने स्क्रीनिंग के माध्यम से समय पर रोग का पता लगाकर तुरंत रोकथाम पर बल दिया। अपूर्व चंद्रा ने कहा कि थैलेसीमिया के बारे में लोगों को जागरूक करना सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अभी भी बहुत से लोगों को इस बीमारी के बारे में जानकारी नहीं है कि इसे कैसे रोका जा सकता है। यह आवश्यक है कि इस क्षेत्र के सभी हितधारक थैलेसीमिया पर जागरूकता बढ़ाने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान में सहयोग करें। इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में उन्होंने थैलेसीमिया की प्रभावी रोकथाम के तरीकों और इष्टतम उपचार को बढ़ावा देने के लिए इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक्स एंड थैलेसेमिक्स इंडिया के सहयोग से बनाया गया एक वीडियो लॉन्च किया।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव श्री अपूर्व चंद्रा ने रोग की व्यापकता को कम करने के साधन के रूप में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत वर्तमान प्रजनन और बाल स्वास्थ्य (आरसीएच) कार्यक्रमों

में अनिवार्य रूप से थैलेसीमिया परीक्षण को शामिल करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों ने इसे अपने सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों और गतिविधियों में शामिल किया है। स्वास्थ्य सचिव ने अन्य राज्यों से आग्रह किया कि वे थैलेसीमिया के लिए स्क्रीनिंग और परीक्षण को शामिल करने और उसका विस्तार करें।

थैलेसीमिया एक वंशानुगत रक्त विकार है जिसके कारण शरीर में सामान्य से कम हीमोग्लोबिन होता है। 8 मई को प्रत्येक वर्ष अंतर्राष्ट्रीय थैलेसीमिया दिवस मनाया जाता है, ताकि इस बीमारी की रोकथाम के महत्व पर लोगों को जागरूक किया जा सके। हितधारकों को संवेदनशील बनाने और थैलेसीमिया से प्रभावित लोगों के लिए गुणवत्तापूर्ण देखभाल सुनिश्चित किए जाने के लिए कार्य किया जाता है। इस वर्ष की थीम है - ष्जीवन को सशक्त बनाना, प्रगति को गले लगानारू सभी के लिए न्यायसंगत और सुलभ थैलेसीमिया उपचार।ष् यह थीम थैलेसीमिया की व्यापक देखभाल के लिए सार्वभौमिक पहुंच की दिशा में सामूहिक मिशन को समाहित करती है।

इस अवसर सुश्री आराधना पटनायक, अपर सचिव एवं प्रबंध निदेशक (राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन)य भारतीय बाल रोग अकादमी के अध्यक्ष डॉ. जीवी बसवराज, थैलेसीमिक्स इंडिया की सचिव सुश्री शोभा तुली, आईएपी के पीएचओ चौप्टर के मानद सचिव डॉ. मानस कालरा और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

## पुनर्मतदान में दुधवा खुर्द बूथ पर हुआ 85.70 प्रतिशत मतदान

जयपुर। लोकसभा आम चुनाव-2024 के अंतर्गत बाड़मेर लोकसभा क्षेत्र की चौहटन विधानसभा में आने वाले दुधवा खुर्द मतदान केन्द्र क्रमांक 50 पर 8 मई को हुए पुनर्मतदान के दौरान 85.70 प्रतिशत मतदान हुआ। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता के अनुसार निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में पुनर्मतदान संपन्न हुआ। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार दुधवा खुर्द के मतदान केन्द्र पर हुए पुनर्मतदान में ग्रामीणों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। मतदान बूथ के पंजीकृत 1294 मतदाताओं में से 1109 मतदाताओं ने मतदान किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि वोट डालने आए मतदाताओं को बूथ पर छाया, पानी, बैठने की व्यवस्था, व्हीलचेयर इत्यादि सभी सुविधाएं मुहैया करवाई गई। उन्होंने कहा कि पुनर्मतदान में महिलाओं, पुरुषों, वृद्धजनों, दिव्यांगों सभी ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। गुप्ता ने बताया कि पुनर्मतदान वाले बूथ का निर्वाचन आयोग के द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षकों द्वारा अवलोकन किया गया। सामान्य चुनाव पर्यवेक्षक दीपा रंजन द्वारा मतदान प्रक्रिया का अवलोकन किया गया।

# iTVoice® all things tech.

## India's Premier IT Magazine & First Daily Tech News OTT

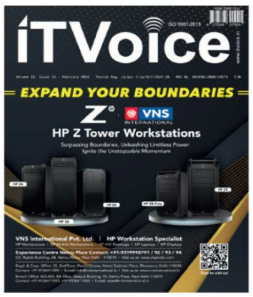


Magazines & Newspapers

Highest Digital Presence

www.itvoice.in

Daily Tech News & Podcasts

Contact for Print & Digital Marketing

+91 141 4014911

info@itvoice.in

ICPL

www.icpljpr.com

Professional IT Support

Domain & Hosting
Web Development
Customized Software Solution
Web Operation
Client / Server Management
Network Maintenance
Service Desk Support
Customized IT Support Services
Dealing in all Major Brands

Informatic Computech Private Limited

Jaipur - Rajasthan (Ph.) +91-141-2280510 md@icpljpr.com


स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक तरूण कुमार टांक के लिये महारानी प्रिन्टर्स प्लाट नं. 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड, जयपुर से मुद्रित एवं 52/121, वीरतेजाजी रोड, मानसरोवर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित। सम्पादक-तरूण कुमार टांक Email: mahanagarstambh@gmail.com